बिहार में बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन और वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था

मो० नौशाद

बीस सूत्री कार्यक्रम : एक परिचय (2006)—भारत सरकार द्वारा बीस सूत्री कार्यक्रम 1975 में शुरू किया गया था तथा 1982, 1986 और फिर 2006 में इसकी पुनः संरचना की गई थी। पुनः संरचित कार्यक्रम को बीस सूत्री कार्यक्रम, 2006 के नाम से जाना जाता है। जो 1 अप्रैल, 2007 से प्रभावी हो गया है। यह कार्यक्रम गरीबी हटाने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर को सुनिश्चित करने, आवास योजना के तहत आवास निर्माण, ग्रामीण शिक्षा, परिवार कल्याण कार्यक्रम, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा ऐसे अनेक योजनाएँ जो सामाजिक कल्याण और सामाजिक सरोकार से जुड़े हैं उन पर बल देने के लिए बनाया गया है, जिनका अवसर विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सकें।

वर्तमान आधुनिकता के दौर में विकास की अवधारणा योजनाकारी राजनीतिज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों और वैज्ञानिकों के लिए मौलिक एवं जटिल समस्या है। जिनमें आज परिवर्तन लाना आवश्यक है अन्यथा ग्रामीण विकास मात्र कागजों पर होता रहेगा।